प्रेषक,

सूर्य प्रकाश मिश्र,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 10 नवम्बर, 2025

विषयः- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सुन्दर पुत्र श्री सोमनाथ, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वरिष्ठ अधीक्षक, (मु0) कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या-705/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-31.12.2024), दिनांक 07.01.2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सुन्दर पुत्र श्री सोमनाथ, जो रामपुर खेड़ी, थाना-कांधला, जनपद-मुजफ्फरनगर का निवासी है। वादी महेश के अनुसार घटना दिनांक 28.02.2010 को अपनी बेटी प्रियाशी, उम्र-07 वर्ष घर पर खेल रही थी, तभी वादी का किरायेदार अभियुक्त सुन्दर उसको गन्ना दिलाने के बहाने मंजूर के खेत पर ले गया और वापस लाकर घर में चारपाई पर लिटा दिया, जब वादी और उसकी पत्नी ने अपनी बेटी को देखा तो वह बेहोश पड़ी थी तथा उसके कपड़ों पर खून लगा था, वादी की बेटी के होश में आने पर बताया कि अभियुक्त ने ईख के खेत में लिटाकर उसके साथ बुरा काम किया है। उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या- 1043/2010, धारा-376 आईपीसी में मा० न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश/एफ०टी०सी० मुजफ्फरनगर के आदेश दिनाक 06.04.2011 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनाक 01.03.2024 तक अपरिहार 14 वर्ष 00 माह 01 दिन तथा सपरिहार 17 वर्ष 21 दिन की सजा भोग ली गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, शामली द्वारा अपनी आख्या में बन्दी द्वारा कारित अपराध विशेष अपराध की श्रेणी में होने किन्तु बन्दी मानसिक रूप से आपराधिक प्रवृत्ति का होने के कारण समयपूर्व रिहा होने पर पुनः अपराध कारित किये जाने की संभावना होने, बन्दी जेल से बाहर आने पर वादी मुकदमा को डरायेगा और धमकायेगा तथा कोई भी घटना कारित किये जाने से इंकार नहीं किये जाने के दृष्टिगत बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि प्रकरण में बन्दी द्वारा 07 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार कर घृणित अपराध कारित किया गया है एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई की सस्तुति नहीं की गयी है। प्रकरण से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है. जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 को धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी सुन्दर पुत्र श्री सोमनाथ को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- अत: उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सुन्दर (बंदी संख्या-16874) पुत्र श्री सोमनाथ, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर के फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आंन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए/लाईसेंस पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
सूर्य प्रकाश मिश्र
संयुक्त सचिव।

संख्या-1326/2025/153(1)/22-2-2025 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
3- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 10.09.2024 के सन्दर्भ में।
4- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।
5- निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी को सूचनार्थ।
6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-1326/2025/153/22-2-2025-17(153)/2025

दिनांक 10 नवम्बर, 2025 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी सुन्दर पुत्र श्री सोमनाथ, जो रामपुर खेड़ी, थाना-कांधला, जनपद-मुजफ्फरनगर का निवासी है। वादी महेश के अनुसार घटना दिनांक 28.02.2010 को अपनी बेटी प्रियाशी, उम्र-07 वर्ष घर पर खेल रही थी, तभी वादी का किरायेदार अभियुक्त सुन्दर उसको गन्ना दिलाने के बहाने मंजूर के खेत पर ले गया और वापस लाकर घर में चारपाई पर लिटा दिया, जब वादी और उसकी पत्नी ने अपनी बेटी को देखा तो वह बेहोश पड़ी थी तथा उसके कपड़ों पर खून लगा था, वादी की बेटी के होश में आने पर बताया कि अभियुक्त ने ईख के खेत में लिटाकर उसके साथ बुरा काम किया है। उक्त अपराध हेतु सत्र परीक्षण संख्या- 1043/2010, धारा-376 आईपीसी में मा० न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश/एफ०टी०सी० मुजफ्फरनगर के आदेश दिनाक 06.04.2011 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनाक 01.03.2024 तक अपरिहार 14 वर्ष 00 माह 01 दिन तथा सपरिहार 17 वर्ष 21 दिन की सजा भोग ली गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, शामली द्वारा अपनी आख्या में बन्दी द्वारा कारित अपराध विशेष अपराध की श्रेणी में होने किन्तु बन्दी मानसिक रूप से आपराधिक प्रवृत्ति का होने के कारण समयपूर्व रिहा होने पर पुनः अपराध कारित किये जाने की संभावना होने, बन्दी जेल से बाहर आने पर वादी मुकदमा को डरायेगा और धमकायेगा तथा कोई भी घटना कारित किये जाने से इंकार नहीं किये जाने के दृष्टिगत बन्दी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड का अभिमत है कि प्रकरण में बन्दी द्वारा 07 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार कर घृणित अपराध कारित किया गया है एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई की सस्तुति नहीं की गयी है। प्रकरण से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है. जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 को धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी सुन्दर पुत्र श्री सोमनाथ को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा बंदी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सूर्य प्रकाश मिश्र
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।